झूला झूलो श्यामा प्यारी

झूला झूलो श्यामा प्यारी

धुन : ब्रज का रसिया

झूला झूलो श्यामा प्यारी, झूलन उत्सव आयो है उत्सव आयो है, रंगीला सावन आयो है

1. छाई हैं घनघोर घटाएं, रसभीगी मदमस्त हवाएं रस रसीला छैल छबीला, मौसम आयो है, झूला---
2. रुत नाचे छाई हरियाली, खिले फूल फल डाली डाली शुक पिक चातक मोर भौर मिल, मल्हार गायो है, झूला--
3. लाडली झूला तैयार पड़ा है, झूला झुलाने नंदलाल खड़ा है

   मधुपहरि झूला दर्शन को, हर कोई आयो है, झूला---

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36331/title/jhula-jhulo-shyama-pyari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |